पं. दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री

हिंदी विभाग

2018-19

वार्षिक अहवाल

पं. दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री

हिंदी विभाग

शै. वर्ष २०१८-१९

वार्षिक अहवाल

अनुक्रमणिका

१. हिंदी विभाग के उद्देश

२. हिंदी विभाग की ओर से आयोजित विभिन्न उपक्रम

१. प्रेमचंद जंयती समारोह
२. हिंदी सप्ताह
३. विश्वविद्यालय स्तरीय भित्तिपत्रिका प्रतियोगिता
४. विभाग के छात्रों की उपलब्धियॉं
५. भित्तिपत्रिका
६. अतिथि अध्यापन वर्ग
७. सूचना प्रौद्योगिकी तकनिक का प्रयोग
८. हिंदी विभाग में आगमनस्त मान्यवर अतिथि
९. छात्र अध्ययन यात्रा
१०.प्रकल्प कार्य
११. हिंदी विभाग का नियमित कामकाज

३. बी.ए., बी.कॉम , बी.एस्सी. प्रथम, द्वितीय,तृतीय वर्ष सत्र परीक्षाओं के निकाल

४. शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ हिंदी विभाग के अध्यापकों का कार्यभार।

५. शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ हिंदी विभाग के पेपर के अनुसार छात्र छात्राओं की संख्या

६. विभाग में कार्यरत अध्यापकों की शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ की उपलब्धियॉं

७. हिंदी विभाग की आगामी योजनाएँ।

८. विभिन्न उपक्रमों के उपलब्ध छायाचित्र

१) उद्देश्य

- ❖ राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास करना।
- ❖ भाषा के स्तर पर हिंदी का ज्ञान छात्रों मे वृध्दीगत करना।
- ❖ लेखन, वाचन हेतु हिंदी का प्रयोग करना।
- ❖ हिंदी में कामकाज करने की छात्रों में आदत बढ़ाना।
- ❖ हिंदी कथा, कहानी, निबंध, पत्राचार, पत्रिकाओं में लेखन करने का अभ्यास छात्रों में बढाना।
- ❖ कुल मिलाकर हिंदी उपलब्ध ज्ञान के आधारपर जीवन कौशल्यों का विकास करना।
- ❖ जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।
- ❖ साहित्य आस्वदन अभिरूचि का परिसंस्कार करना।
- ❖ हिंदी कविता, उपन्यास साहित्य की परंपरा से परिचय कराना।
- ❖ अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स माध्यमों का परिचय बढाना।
- ❖ रंगमंच तथा अभिनय कला से परिचय कराना।

२) <u>हिंदी विभाग की और सें आयोजित विभिन्न उपक्रम</u>

१) **प्रेमचंद जयंती समारोहः-**

३१ जुलाई २०१८ के दिन प्रेमचंद जयंती तथा गुरूपौर्णिमा के उपलक्ष्य में संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उसी समय डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अंबादास देशमुख ने गुरूपौर्णिमा के महत्व संबंधी छात्रों को मार्गदर्शन किया। इसी विभाग के डॉ. गणेशराज सोनाळे सर ने प्रेमचंद के साहित्य संबंधी छात्रों को मार्गदर्शन किया।

२) **हिंदी सप्ताहः-**

<u>राष्ट्रभाषा हिंदी विभागद्वारा हिंदी सप्ताह की भुमिका</u> :-

प्रिय छात्रों नमस्कार!

आप सभी को हिंदी दिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

जिसप्रकार किसी राष्ट्र की सम्प्रभुता एवं स्वाभिमान का प्रतिक ध्वज एवं राजचिन्ह होता है ठीक उसी प्रकार राष्ट्र की संस्कृति एवं भाषा भी उसके आत्मगौरव और अस्मिता का प्रतिक होती है। भारत बहुभाषी राष्ट्र है और इसमें बहुसंख्याक लोगों द्वारा बोली जानेवाली भाषा हिंदी है। राष्ट्र के जागरण एवं स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी का महान योगदान रहा है। इसीलिए उसे भारत सरकार ने १४ सितंबर १९४९ को राजभाषा के रूप में स्विकार किया है। और तब से हम भारतीय १४ सितंबर को हिंदी दिन मनाते है।

और उसी दिन अपने महाविद्यालय का राष्ट्रभाषा हिंदी विभाग सन २००५ से हिंदी दिन के उपलक्ष्य में केवल १४ सितंबर को एक दिन का हिंदी दिवस न मनाते हुएं पुरे सप्ताह का (१४ से २० सितंबर) आयोजन करता है। इस सप्ताह में काव्यवाचन, काव्यलेखन, कहानी लेखन, कहानी वाचन, निबंध लेखन, लेखन शुध्दता, भाषण और हिंदी सामान्य ज्ञान आदि प्रतियोगिताओं का छात्राओं के लिए आयोजन करता आ रहा है। जो हमारे छात्रों को १. आज की स्पर्धात्मक दौड में अग्रणी बने रहने के लिए २. उनकी ज्ञान पिपासा, जिज्ञासा, वर्तमान परिवेश की मॉग को पुरा करने में ३. साहित्य के प्रति अभिरूचि निर्माण करने में ४. जीवन मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करने में ५. पूरे आत्मविश्वास और निर्भिकता से मंच पर खडा होकर सबको संबोधित करने के लिए ६. रंगमंच एवं अभिनय कलाओं से परिचित कराने में ७. अपने लक्ष को निर्धारित करने में ८. अपने व्यक्तित्व को सँवारने के लिए ..... मद्दगार साबित हो रहा है।

इसीलिए हमारे विभाग के भूतपूर्व अध्यापकों द्वारा निर्माण की गई यह हिंदी सप्ताह की परम्पराएँ हम आपके लिए आगे बढा रहे है। आप सभी इसमें सम्मेलित होकर इस सप्ताह को सफल बनाएँ। हमारी यह मान्यता है की छात्र कल का ही नहीं, आज का भी नागरीक है। देश के जिवन मे एवं विकास में उसे सहभागी होकर महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। जो जिवन के प्रत्येक क्षेत्र में खूद को और राष्ट्र को योग्य नेतृत्व प्रदान करने में समर्थ साबित होगी।

हिंदी विभाग का संकल्प और दिशा।

"कल के लिए सामाजिक दृष्टि से ऐसे सजग एवं जागरूक,
भारतीय छात्रों का निर्माण करना चाहते है।
जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र का प्रबुध्द
एवं योग्य नेतृत्वप्रदान करने में समर्थ होंगे।"
आपके स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

१४ से २० सितंबर २०१८ के दौरान हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सप्ताह के बीच हिंदी विषय की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

अ. क्र.	तिथि / दिन	प्रतियोगिता	विषय-स्वरूप
१	१४ सिंतबर २०१८	१) काव्यलेखन २) हिंदी शेर-सुविचार ३) निबंध लेखन हिंदी सप्ताह समापन समारोह	अपनी रूचि के अनुसार कोई १० सुविचार या शेर मेरा गॉव डॉ. भारती गोरे, हिंदी विभाग, डॉ. बा. आं.म.वि.औरंगाबाद.
२	१७ सिंतबर २०१८	४) कहानी लेखन ५) काव्यवाचन ६) कहानी कथन	अपनी रूचि के अनुसार कविता का पठण कहानी का पठण
३	१८ सिंतबर २०१८	७) भाषण प्रतियोगिता ८) लेखन शुध्दता	स्वच्छ भारत, सुंदर भारत बताएँ हुए परिच्छेद का व्याकरण एवं हस्ताक्षर
४	१९ सिंतबर २०१८	९) हिंदी सामान्यज्ञान प्रतियोगिता	हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रश्न

हिंदी सप्ताह के उदघाटन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. डॉ. भारती गोरे, हिंदी विभाग, डॉ. बा.आं.म.वि.औरंगाबाद से उपस्थित थी।

राष्ट्रभाषा हिंदी की ओर से हिंदी सप्ताह (तिथि १४ से २० सितंबर २०१८) के उपलक्ष में सभी छात्र/छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था ।

इन प्रतियोगिताओं में सहभागी होनेवाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं किताब भेंट दिया। अतः सभी छात्र-छात्राओं ने इसमें सहभागी होकरहिंदी सप्ताह संपन्न किया।

हिंदी सप्ताह के दौरान ली गई विभिन्न प्रतियाग्िाओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले छात्रों के नाम समापन समारोह में घोषित किए गए। इन्हीं छात्रों को वार्षिक स्नेहसंमेलन में प्रमाणपत्र दिए गए।

राष्ट्रभाषा हिंदी सप्ताह - सितंबर २०१८

(शै. वर्ष २०१८-१९)
विभिन्न प्रतियोगिताओं के निकाल

अ.क्र.	प्रतियोगिता	छात्र-छात्राएँ	कक्षा
१	काव्यवाचन	१) कु. आरती राजकुमार बोरसे	बी.कॉम प्रथम
		२) रिकल भागाजी जाधव	बी.ए. प्रथम
२	कहानी कथन	१) कु. शिरीन शकील पटेल	बी. एस्सी प्रथम
		२) कु. आरती राजकुमार बोरसे	बी.कॉम प्रथम
३	लेखन शुध्दता	१) कु. योगिता सुरेश मोरे	बी.एस्सी प्रथम
		२) कु. ऋतुजा पंडितराव जाधव	बी.एस्सी प्रथम

४	भाषण प्रतियोगिता	१) कु. उजमा शकील खान	बी. कॉम प्रथम
		२) कु. शिरीन शकील पटेल	बी. एस्सी प्रथम
५	कहानी लेखन	१) कु. पुजा संजय प्रधान	बी.ए. प्रथम
		२) कु. माधुरी गजानन महाले	बी.ए. प्रथम
६	निबंध लेखन	१) कु. शितल राधाकिसन कोलते	बी. कॉम द्वितीय
		२) लक्ष्मीकांत कारभारी ढेपले	बी. कॉम तृतीय
७	काव्य लेखन	१) पुजा सुभाष बहादुरे	बी. कॉम प्रथम
		२) कु. मोनाली उबाळे	बी.ए. प्रथम
८	हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता	१) कु. वर्षा तातेराव काळे २)सोमीनाथ सहाणे	बी. ए तृतीय बी.ए. द्वितीय
९	हिंदी शेर-सुविचार	१) राजु खरात	बी. ए. द्वितीय
		२) कु. दिपाली सुधाकर बोलकर	बी.ए. द्वितीय

३) विश्वविद्यालय स्तरीय भित्तिपत्रिका प्रतियोगिता - १९ सितंबर २०१८

सहभागी महाविद्यालय

१. राजर्षी शाहु महाविद्यालय, पार्थी
२. संत सावता गुरूकुल, फुलंब्री
३. चेतना कला महाविद्यालय, हर्सुल-सांवगी, औरंगाबाद
४. विनायकराव पाटील महाविद्यालय, वैजापूर
५. मोरेश्वर महाविद्यालय, भोकरदन, ता. सिल्लोड
६. कला महाविद्यालय, बिडकीन, ता. पैठण
७. लोकसेवा महाविद्यालय, औरंगाबाद
८. संत ज्ञानेश्वर महाविद्यालय, सोयगाव
९. दगडूजीराव देशमुख महाविद्यालय, वाळुज, औरंगाबाद

भित्तिपत्रिका प्रतियोगिता में विजेता

अ.क्र	विजेता क्रमांक	छात्र - छात्रा का नाम	विषय	महाविद्यालय का नाम	पुरस्कार की राशी
१	प्रथम	कु. मंगल पळसकर	वृद्धाश्रम	चेतना कला महाविद्यालय, हर्सुल	५०१
२	द्वितीय	कु. स्नेहा काकडे	अवयवदान	दगडूजीराव देशमुख महाविद्यालय, वाळुज	३०१

३	द्वितीय	कु. शिवानी दानवे		राजर्षी शाहु महाविद्यालय, पार्थी	३०१
४	तृतीय	कु.राधीका कसबेकर		लोकसेवा महाविद्यालय, औरंगाबाद	२०१
५	तृतीय	कु. अमृता मोरे		विनायकराव पाटील महाविद्यालय, वैजापूर	२०१
६	उत्तेजनार्थ	कु. योगिता मोरे कु. ऋतुजा जाधव	अटल बिहारी वाजपेयी	श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री	१०१
७	उत्तेजनार्थ	कु. शेख अर्षद		कला महाविद्यालय, बिडकीन	१०१
८	उत्तेजनार्थ	अभिषेक दांडगे		मोरेश्वर महाविद्यालय, भोकरदन	१०१

आदि छात्र-छात्राओं ने कमांक प्राप्त किए । इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य, डॉ. एस. आर. टकले और परिक्षक के रूप में डॉ. बळीराम धापसे (विनायकराव पाटील महाविद्यालय, वैजापूर), डॉ. लियाकत शेख, डॉ. दस्तगीर देशमुख (लोकसेवा महाविद्यालय, औरंगाबाद) उपस्थित थे । प्रतियोगिता में सहभागी एवं विजेता छात्र-छात्राओं को बक्षिस राशी एवं प्रमाणापत्र प्रदान किये गये ।

४) विभाग के छात्रों की उपलब्धियाँ

चेतना कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय,हर्सूल सावंगी में विश्वविद्यालय स्तरीय काव्यवाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त

१) श्री लक्ष्मीकांत कारभारी ढेपले- काव्यवाचन में प्रथम स्थान
२) कु. अश्विनी बारवाल- स्वयं काव्यलेखन में प्रथम स्थान

५) भित्तिपत्रिका

१. तिथि १८/०९/२०१८, विषय- भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी
२. तिथि २२/०२/२०१९, विषय- राष्ट्रभाषा हिंदी

६) हिंदी अतिथी अध्यापन वर्ग :-

१) प्रा. डॉ. संतोष तांदळे (हिंदी विभाग, संत ज्ञानेश्वर महाविद्यालय, सोयगाव) के अध्यापक ने तिथि १९/०९/२०१८ के दिन 'राष्ट्रभाषा हिंदी का परिप्रेक्ष्य' इस विषय पर छात्रों को मार्गदर्शन किया।

२) ह.भ.प. श्री. सुभाष महाराज भांडे (वडोद कान्होबा, ता. खुलताबाद, जि. औरंगाबाद) ने 'साहित्य में कामधेनु / गोमाता' इस विषय पर तिथि २२/०१/२०१९ को छात्रों को मार्गदर्शन किया।

७) हिंदी अध्यापन में सूचना प्रौद्योगिकी तकनीक का प्रयोग :-

तिथि		विषय
१) २३ सितम्बर २०१८		पारिभाषिक शब्दावली
२) ३० नवम्बर २०१८		हिंदी कहानी
३) २९ दिसम्बर २०१८	मंगलवार	हिंदी कविता
४) १७ फरवरी २०१९	सोमवार	हिंदी साहित्य

शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ में PPT की तासिकाएँ ली गई।

८) हिंदी विभाग में आगमनस्त मान्यवर अतिथी :-

शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ में राष्ट्रभाषा हिंदी विभाग को कई मान्यवरों ने अतिथी के रूप में भेंट दी। जिसमें प्रमुख हैं-

१) डॉ. विष्णु सरोदे (स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, औरंगाबाद)

२)

९) हिंदी भाषा- छात्र यात्रा :-

तिथि १३ जानेवारी २०१९ को महाविद्यालय के हिंदी, मराठी एवं अंग्रेंजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित शिक्षा सहल लोकोत्तरा बौद्ध विहार, चौका, ता. फुलंब्री, जि. औरंगाबाद जैसे धार्मिक स्थलों पर निकाली । भारतीय संस्कृती तथा साहित्य में बौद्ध विचारों का प्रभाव छात्र-छात्रों को इनके धार्मिक, आध्यात्मिक महत्त्व को लेकर जानकारी दी गई।

छात्र अध्ययन यात्रा के कारण उत्साहित हुए तथा अपनी वैभवशाली प्राचीन कला से आत्मसंतुष्ट एवं प्रभावित हुए।

१०) प्रकल्प :-

बी. ए. तृतीय वर्ष के मुख्य विषय के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय ने दी गई सूचनाओं के अनुसार प्रकल्प कार्य १०० अंकों की परीक्षा विभाग स्तर पर ली गई।

११) हिंदी विभाग का नियमित कामकाज :-

शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ में महाविद्यालय की ओर से सौंपी गयी जिम्मेदारीयॉं हिंदी विभाग के अध्यापकों ने पूरी की जिसमें परीक्षा विभाग की। उत्तर पत्रिका मूल्यांकन, स्वाध्याय पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, छात्रों के कक्षा परीक्षा के निकाल तथा अन्य जिम्मेदारीयॉं बखुबी निभाने का प्रयास किया गया।

३) <u>बी.ए., बी.कॉम द्वितीय,तृतीय वर्ष सत्र परीक्षाओं के निकाल</u>

YEAR	CLASS	SL/Opt	PATTERN	PAPER	TOTAL STUDENT	EXAM. APPEAR	PASSED	% with Appear
2017-18	BAFY First Sem Oct-17	SL	50	I	52	45	30	69.76%
		Opt	50	I	54	40	27	67.50%
			50	II	54	40	23	57.50%
	BAFY Second Sem Mar-18	SL	50	I	52	42	35	92.10%
		Opt	50	III	54	38	21	63.63%
			50	IV	54	38	31	93.93%
	BASY First Sem Oct-17	SL	50	III	15	15	14	93.33%
		Opt	50	V	13	13	12	92.30%
			50	VI	13	13	10	96.92%
	BASY Second Sem Mar-18	SL	50	IV	15	10	06	66.66%
		Opt	50	VII	13	11	11	82.75%
			50	VIII	13	11	11	93.10%

	BATY First Sem Oct-17	OptMain	50	IX	13	13	12	100%
			50	X	13	13	12	100%
			50	XI	05	05	05	100%
			Project	**X**II	--	--	--	--
	BATY Second Sem Mar-18	Opt	50	XIII	13	12	12	100.%
			50	XIV	13	12	12	100.%
		Main	50	XV	05	05	04	100.%
			100	XVI	05	05	04	100.%

2017-18	B.Com.F.Y-(SL)	I –SEM Oct-17	(SL)-I	24	17	16	96.00%
		II-SEM April-18	(SL)-II	24	16	06	64.00%
	B.Com.S.Y-(SL)	III-SEM Oct-17	(SL)-III	09	09	08	86.00%
		IV-SEM April-18	(SL)-IV	09	09	09	100%

४) शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ का हिंदी विभाग के अध्यापकों का कार्यभार :-

प्रा. दत्तात्रय येडले

अ.क्र.	कक्षा	पेपर	सप्ताह की तासिकाएँ	पेपर नाम
१	बी.ए.प्रथम वर्ष	II	४	नाटक/एकांकी साहित्य
२	बी.ए.द्वितीय वर्ष	S.L.	४	सामान्य हिंदी
३	बी.कॉम द्वितीय वर्ष	S.L.	४	संप्रेषणमूलक हिंदी
४	बी.ए.द्वितीय वर्ष	IV	४	प्रयोजनमूलक हिंदी
५	बी.ए.तृतीय वर्ष	VI	४	हिंदी साहित्य का इतिहास
६	बी.ए.तृतीय वर्ष	VIII	४	प्रकल्प लेखन
कुल तासिकाएँ			**२४**	

प्रा. सुरेश मुंढे

अक्र.	कक्षा	पेपर	सप्ताह की तासिकाएँ	पेपर नाम
१	बी.ए.प्रथम वर्ष	S.L.	४	सामान्य हिंदी
२	बी.कॉम. प्रथम वर्ष	S.L.	४	सामान्य हिंदी
३	बी.ए. प्रथम वष्ज्ञ	I	४	उपन्यास/ हिंदी गद्य साहित्य
४	बी.ए.द्वितीय वर्ष	III	४	कथेत्तर गद्य/ आधुनिक हिंदी
५	बी.ए.तृतीय वर्ष	V	४	प्रादेशिक साहित्य/ मध्यकालीन काव्य
६	बी.ए.तृतीय वर्ष	VII	४	साहित्यशास्त्र
	कुल तासिकाएँ		२४	

५) शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ हिंदी विभाग के पेपर के अनुसार छात्र छात्राओं की संख्या

	Class Total Students		Gender		Category					
			Male	Female	SC	ST	OBC	NT	Minority	GEN
2018-2019	B.A. First Year- SL (I , II)	**42**	30	12	03	01	11	10	00	17
	B.A. First Year-(opt) (I , II , III, IV)	**40**	23	17	04	00	07	15	00	14
	B.A. Second Year- SL (III, IV)	**29**	19	10	05	00	06	06	00	13
	B.A. Second Year -(opt) (V,VI, VII, VIII)	**22**	09	13	03	00	07	05	00	07
	B.A. Third Year (Sub) (IX, X, XIII, XIV)	**11**	05	06	00	00	04	03	00	04
	B.A. Third Year (Main) (XI, XII, XV, XVI)	**03**	02	01	00	00	03	00	00	00

	Class Total Students		Gender		Category					
			Male	Female	SC	ST	OBC	NT	Minority	GEN
2018-2019	B.Com. First Year-(SL) (I, II)	**34**	18	16	06	01	08	05	00	14
	B.Com Second Year-(SL) (III, IV)	**16**	06	08	00	00	04	03	00	09

	Class Total Students		Gender		Category					
			Male	Female	SC	ST	OBC	NT	Minority	GEN
2018-2019	B.Sc. First Year-(SL) (I, II)	**35**	19	16	02	00	04	12	00	17
	B.Sc. Second Year-(SL) (III, IV)	**15**	08	07	01	00	00	05	00	09

६) विभाग में कार्यरत अध्यापकों की शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ की उपलब्धियाँ

प्रा. दत्तात्रय लक्ष्मण येडले

१) परिषद एवं संगोष्ठियों में सहभाग एवं शोध निबंध प्रस्तुति

अ) अतंर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन :–

1) कर्नाटक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिदर, (कर्नाटक) में व्दि–दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी, विषय– 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य' में सहभाग लेकर आलेख वाचन किया आलेख विषय :– वैश्विक समस्या पर्यावरण का रामचरितमानस में चिंतन **तिथि :– 28–29 जनवरी 2019**

2) सावित्राबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय एवं हिंदी संगम फाऊडेशन (अमेरिका /भारत) के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित व्दि–दिवसीय अंतर्राष्ट्रिय सम्मलेन विषय :– '21 वी सदी में हिंदी शिक्षण के नए आयाम' इस सम्मेलन में आलेख वाचन किया।

तिथि :– 21, 22 फरवरी 2019

3) राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर में संपन्न व्दि–दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में सहभाग लिया।

विषय :– भारतीय साहित्य चिंतन और चुनौतियॉ

आलेख :– भारतीय साहित्य : जीवनमूल्य, संत एकनाथ के साहित्य में जीवन मूल्य

तिथि :– 14, 16 फरवरी 2019

ब) राष्ट्रीय संगोष्ठी :–

1) पूना कॉलेज ऑफ आर्टस, सायन्स व कॉमर्स, पुणे तथा शुभचिंतक फाउंडेशन, पुणे के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी लघुकथा के विविध आयाम' विशेष सत्र 'प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी में रोजगार के अवसर' में आलेख वाचन किया।

आलेख विषय :–हिंदी लघुकथा साहित्य विकासक्रम

तिथि :– 29 सितम्बर 2018

2) राजर्षी शाहु कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय पाथ्री ता. फुलंब्री जि. औरंगाबाद तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा, साहित्य तथा संस्कृती' विषय पर आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आलेख विषय :– 'हिंदी उपन्यास गोदान में व्यक्त किसान विमर्श'

तिथि :– 2 फरवरी 2019

Page :72- 74, peer reviewed journal. ISSN- 2278-5655,
Impact factor- 6.236. Volume :VIII, special Issue :III Date :- 2/02/ 2019

3) इंद्रराज कला, वाणिज्य एंव विज्ञान महाविद्यालय, सिल्लोड, जि. औरंगाबाद के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी. विषय :– 'आधुनिक हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति ' में उपस्थित रहकर शोध आलेख प्रस्तुत किया।

विषयः – 'उपन्यास साहित्य किसान विमर्श '

तिथि :– 25 / 02 / 2019

ई –रिसर्च जर्नल Receut Trends in English, Marthi, Hindi Language and Literature, Excutive Editors :- Dr S.S.Chouthaiwale, Dr. A.T. More, Dr. P.S. Patil, Impart factor :6.261, special Issus -145, feb. 2019 ISSN : 2348- 7143

Printed by :- prashaut publications, Jalgaov Page :- 350-352, Index sr. No.130

4) शिवछत्रपती कला महाविद्यालय, पाचोड, जि. औरंगाबाद के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय :– भारतीय समाज : समश्या और उपाय में उपस्थित रहकर शोध आलेख प्रस्तुत किया

तिथि :– 2 / 03 / 2019

क) अनुसंधानात्मक कार्य :–

संत साहित्य में व्यक्त पर्यावरण चेतना (हिंदी, मराठी संत साहित्य के विशेष संदर्भ में) इस विषय पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद द्वारा लघुशोध प्रस्तुत किया।

ड) ग्रंथ प्रकाशन :–

'तुलसीदास एवं एकनाथ के साहित्य में व्यक्त मानव मूल्यों का विश्लेषण' (रामचरितमानस एवं भावार्थ रामायण के विशेष संदर्भ में) लेखक :– डॉ. दत्तात्रय येडले

अतुल प्रकाशन, कानपुर, वर्ष –2018

ISBN: 978-93-80760-69-8

इ) मार्गदर्शन पर व्याख्यान :–

1) संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय शिबीर, मौजे दरेगाव दरी, **तिथि 23 / 12 / 18** वारः रविवार विषय :– 'स्पर्धा परीक्षा विषयक मार्गदर्शन' इस विषय पर छात्रों को मार्गदर्शन किया।

2) राजर्षी शाहू कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय पाथ्री अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना का 'जलसंवर्धन आणि जल व्यवस्थापन' विशेष शिबीर मौजे, भालगाव ता. फुलंब्री जि. औरंगाबाद **तिथि :– 17 दिसंबर 2018** वार सोमवार को 'उद्योजकता' इस विषय पर छात्रों को मार्गदर्शन किया।

3) संत ज्ञानेश्वर महाविद्यालय, सोयगाव जि. औरंगाबाद में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप मे मार्गदर्शन किया। विषय :– 'हिंदी भाषा और साहित्य का विश्व परिदृश्य'

तिथिः– 15 सितम्बर 2018

4) शिक्षा संस्कृती उत्यान न्यास, नई दिल्ली तथा आदर्श शिक्षण प्रसारक मंडळ, उस्मानाबाद के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'ज्ञानोत्सव ' 2018' के शिक्षा सम्मेलन में विषय तज्ज्ञ के रुप में उपस्थित रहकर मार्गदर्शन किया।

तिथिः– 02 – 03/10/ 2018

विश्वविद्यालयील कार्य :–

1) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय औरंगाबाद द्वारा आयोजित पदवी (बीए. / बी. कॉम / बी. एस्सी) परीक्षाओं की उत्तरपत्रिकाओं का मूल्यांकन कार्यः–

1) D-CAS/2018/1497 Date- 31/10/2018 to 17/11/2018

2) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय औरंगाबाद द्वारा आयोजित पदवी परीक्षाओं के लिए श्रेयस कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय सातारा खंडोबा, जि. औरंगाबाद में जॉईट चीफ सुप्रिडेंट (बाहय परीक्षक) के रुप मे

नियुक्ति तिथिः– 13 / 10 / 2018 – 20 / 10 / 2018

3) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय औरंगाबाद द्वारा आयोजित परीक्षाओं में पर्यवेक्षक के पद पर कार्य किया

1) ऑक्टोबर 2018 2) मार्च 2019

पून : चर्चा पाठयक्रम :–

शिक्षण अध्ययन केद्रं रामानुजन कॉलेज नई दिल्ली एवं हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई प्रायोजक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन द्वारा आयोजित साप्ताहिक संकाय संवर्ध्दन (FDP) कार्यक्रम के विषय :– समकालीन साहित्य एंव मीडिया विमर्श तिति:– 3 जनवरी –8जनवरी 2018 सहभाग लिया।

महाविद्यालयीन कार्य :–

1) राष्ट्रभाषा हिंदी विभाग द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय भित्तिपत्रिका प्रतियोगिता का संयोजन किया। प्रतियोगिता में 12 महाविद्यालय के 51 छात्रों ने सहभाग लिया। **तिथि:– 19 सितम्बर 2018**

2) महाविद्यालय शिष्यवृत्ती समिती प्रमुख (वर्ष 2015–16 से 2019–20)

3) लैगिंक छळ प्रतिबंध समिती – सहायक

4) सांस्कृतिक समिती सहायक (वर्ष 2018–19)

5) प्रोजेक्टर मशिन – व्यवस्था एवं देखभाल कार्य (वर्ष 2017–19)

७) <u>राष्ट्रभाषा हिंदी विभाग की आगामी योजनाएँ।</u>

१. आंतर्राराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना।

२. हिंदी पाठयक्रम LCD के माध्यम सें Power Point के द्वारा छात्र तक पहुँचना।

३. विभिन्न राष्ट्रीय एवंआंतर्राराष्ट्रीयसंगोष्ठीयों में आलेखों का प्रपठन करना।

४. छात्रों के लिए विभाग की ओर से छात्र अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

५. तासिकाएँ लेते समय आधुनिक यंत्र सामग्री का अधिक से अधिक मात्रा में प्रयोग करना।

६. हिंदी के सभी तज्ञों सें अपने विभाग द्वारा मोबाईल संदेशों के माध्यम सें संपर्क बनाए रखना।

७. हिंदी साहित्य अकादमी के सहयोग सें विभिन्न साहित्यकारों पर टेलिफिल्म बनाना।

८. अनुसंधानात्मक कार्य को गती देना।

प्रा. सुरेश मुंढे — **(सहयोगी अध्यापक)**

प्रा.येडले दत्तात्रय — **(हिंदी विभागाध्यक्ष)**

पं. दीनदयाल उपाध्याय शिक्षण संस्था संचलित,

श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री

हिंदी विभाग

उपलब्ध साधनसामग्री

अ.क्र	वस्तु का नाम	संख्या
१	रेकॉर्ड अलमारियॉ	०३
२	टेबल	०२
३	टेबल काच	०२
४	फून	०१
५	बल्ब CFL	०१
६	नोटीस बोर्ड	०१
७	ब्लॅक बोर्ड	०१
८	कुर्सिया (फायबर)	१७
९	साहित्यकार फोटो (फ्रेम)	००
१०	फ्लॅक्स बोर्ड	०१
११	एल सी डी प्रोजेक्टर	०१
१२	एल सी डी स्क्रीन	०१
१३	डस्टबीन	०१
१४	पंचींग मशिन	०१
१५	स्टॅपलर	०२
१६	स्केल पट्टी	०२
१७	स्केच पेन बॉक्स	०१
१८	मार्कर पेन	०३

॥ सुस्वागतम् ॥

प्रेमचंद जयंती

सकाळ

'संत सावता'मध्ये विद्यापीठीय भित्तिपत्रक स्पर्धा

फुलंब्री : हिंदी विभाग व वाङ्मय विभागाचा पुढाकार

फुलंब्री, ता. २५ (बातमीदार) : येथील श्री संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालयातील हिंदी विभाग व वाङ्मय विभागाच्या वतीने 'हिंदी सप्ताह'निमित्त विद्यापीठस्तरीय भित्तिपत्रक स्पर्धेचे आयोजन बुधवारी (ता. १९) करण्यात आले.

या स्पर्धेसाठी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठातील १२ महाविद्यालयांतील ५२ विद्यार्थी स्पर्धकांनी सहभाग नोंदविला.

फुलंब्री : संत सावता माळी महाविद्यालयात विद्यापीठस्तरीय भित्तिपत्रक स्पर्धेत भित्तिपत्रक दाखवितांना विद्यार्थी.

अध्यक्षस्थानी महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ. सुभाष टकले उपस्थित होते. यात विद्यार्थ्यांनी सामाजिक, शैक्षणिक, हिंदी भाषा व साहित्यकार आदी विषयांवरील भित्तिपत्रकांची निर्मिती केली होती. स्पर्धेचे परीक्षक म्हणून डॉ. बळिराम धापसे, डॉ. लियाकत शेख व डॉ. अश्विन रांजणीकर यांनी काम पाहिले. यासाठी वाङ्मय मंडळाचे सदस्य डॉ. राजश्री पवार, डॉ. संजीवकुमार पांचाळ, डॉ. गणेश कुलकर्णी, विनोद तुपे, रमेश जगधने, साईनाथ भालेराव, बाबासाहेब दाभाडे, प्रेम चव्हाण यांनी पुढाकार घेतला. यावेळी प्राध्यापक व कर्मचारी उपस्थित होते.

विद्यापीठस्तरीय भित्तिपत्रक स्पर्धेचा निकाल

- प्रथम क्रमांक - मंगल पळसकर, (वृद्धाश्रम) चेतना कला महाविद्यालय, औरंगाबाद
- द्वितीय क्रमांक - स्नेहा काकडे,(अवयवदान) दगडोजीराव देशमुख महाविद्यालय वाळूज व शिवानी दानवे, (काव्यरचना) राजर्षी शाहू महाविद्यालय, पाथ्री (ता. फुलंब्री)
- तृतीय क्रमांक - राधिका कसबेकर, (गजल दर्पण) लोकसेवा महाविद्यालय औरंगाबाद व अमृता मोरे, (संत कबीर) विनायकराव पाटील महाविद्यालय वैजापूर यांना मिळाला.
- उत्तेजनार्थ
- योगिता मोरे व ऋतुजा जाधव (साहित्यकार अटलविहारी वाजपेयी) संत सावता माळी ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री,
- शेख अर्शद कला महाविद्यालय, बिडकीन,
- अभिषेक दांडगे मोरेश्वर महाविद्यालय, भोकरदन

Aurangabad, District-Today
26/09/2018 Page No. 8

औरंगाबाद, गुरुवार, 20 सितंबर, 2018 15

विश्वविद्यालय स्तरीय भित्तीपत्रक प्रतियोगिता

संवाददाता | औरंगाबाद

हिंदी सप्ताह के उपलक्ष्य में श्री संत सावता माली ग्रामीण महाविद्यालय, फुलंब्री में गुरुवार को विश्वविद्यालय स्तरीय भित्तीपत्रक प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें डॉ. बाबासाहब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद अंतर्गत 12 महाविद्यालयों के 52 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में छात्रों ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और हिंदी भाषा व साहित्यकार आदि विषयों पर भित्तीपत्रक की निर्मिती की थी। वृद्धाश्रम विषय पर चेतना कला महाविद्यालय की मंगल पलसकर अव्वल रहीं। दगड़ोजीराव देशमुख महाविद्यालय औरंगाबाद की स्नेहा काकड़े की अव्यवदान, राजर्षि महाविद्यालय, पाथी की शिवानी दानवे को द्वितीय स्थान मिला। लोकसेवा महाविद्यालय,औरंगाबाद की राधिका कसबेकर और विनायकराव पाटील महाविद्यालय, वैजापुर की अमृता मोरे के भित्तीपत्रिक को तृतीय पुरस्कार मिला। श्री संत सावता माली ग्रामीण महाविद्यालय की योगिता मोरे, ऋतुला जाधव, कला महाविद्यालय, बिड़कीन के शेख अरशद और मोरेश्वर महाविद्यालय, भोरकदन के अभिषेक दांडगे को सात्वंना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सुभाष टकले ने की। प्रतियोगिता का परीक्षण डॉ. बलिराम धापसे, डॉ. लियाकत शेख, डॉ. आश्विन रांजणीकर ने किया। प्रस्तावना डॉ. दत्तात्रय येडले ने रखी। डॉ. सुरेश मुंढे ने आभार माना। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वाङमय मंडल के सदस्य डॉ. राजर्षि पवार, डॉ. संजीव कुमार पांचाल, डॉ. गणेश कुलकर्णी, बाबासाहब दाभाड़े, विनोद तुपे, साईनाथ भालेराव, रमेश जगधने, प्रेम चव्हाण ने परिश्रम किया। डॉ. विलय पांडे, डॉ. मंजूषा नलगीरकर, डॉ. रामकिसन लोमटे, डॉ. महेश थोरात आदि अध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।